केन्द्रीय विद्यालय संगठन ,एरणाकुलम संभाग

संकलित परीक्षा –2 मार्च 2013

आदर्श प्रश्न पत्र – कक्षा – 10

हिन्दी –पाठ्यक्रम –अ

समय–3 घंटे अधिकतम अंक –90

कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में मुद्रित पृष्ठ 13 है।

कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 17 प्रश्न है।

कृपया प्रश्न के उत्तर लिखने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

निर्देश –1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड है। क ,ख ,ग ,घ ।

2) चारों खंडों के उत्तर लिखना अनिवार्य है ।

3)यथासंभव प्रत्येक खंड का उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खंड – (क)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों केलिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए । 5

जीवन के फैसले मनुष्य को स्वयं करने होते है ,इसलिए आदमी को आत्मनिर्भर होना चाहिए ।अब तुम्हें क्या करना चाहिए ,इसका ठीक –ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दूसरा कोई नहीं दे सकता । कैसा भी विश्वास– पात्र मित्र हो तुम्हारे इस काम को वह अपने ऊपर नहीं ले सकता । हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुनें ,बुद्धिमानोंकी सलाह को कृतज्ञता पूर्वक मानें,पर इस बात को निश्चित समझकर ही हमार कामों से ही हमारी रक्षा व पतन होगा । हमेंअपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढतापूर्वक बनाए रखना चाहिए। जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है ,उसका सिर कभी ऊपर न होगा । नीची दृष्टि रखने

से यद्यपि रास्ते पर रहेंगे पर इस बात को न देखेंगे कि रास्ता कहाँ ले जाता है।अपने व्यवहार को मृदुल बनाए रखो । कठोरता ,उद्दंडता और कतई नहीं होना ।अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो ,इस प्रकार नम्र और उच्चाशय दोनों बनो। अपने मन को कभी मरा हुआ न रखो ।

[1] हम अपने जीवन के फैसले लेने में कैसे आत्मनिर्भर हो सकते है ?

क)विश्वासपात्र मित्र का सहारा लेकर

ख)अनुभवी लोगों कि बातें सुनकर

ग) बुद्धिमानोंकी सलाह को कृतज्ञता पूर्वक मानकर

घ)अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढतापूर्वक बनाए रखकर

[2]चित की स्वतन्त्रता से तात्पर्य है –

क) कठोर और उद्दंड बनना

ख)नम्र और उच्चाशय बनना

ग)पतन की ओर ले जाना

घ)मन को मरने देना

[3]नीची दृष्टि रखने से लोगों की क्या स्थिति होगी ?

क) वे रास्ते पर रहेंगे लेकिन रास्ता कहाँ ले जाता मालूम नहीं

ख) वे दाएँ– बाएँ जाने लगते है

ग) उनको रास्ता सूझता ही नहीं

घ) इनमें से कोई नहीं

[4] “जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है ,उसका सिर कभी ऊपर न होगा” – रचना के अधार पर वाक्य भेद ?

क)सरल वाक्य

ख) मिश्र वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य

घ) प्रधान उपवाक्य

[5] प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक है

क) नम्र और उच्चाशय बनो

ख) आत्मनिर्भरता

ग) हमारी रक्षा व पतन

घ) विश्वासपात्र मित्र

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों केलिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। 5

शिक्षा और विकास को एक दूसरे से कृतक नही किया जा सकता क्योंकि शिक्षा से विकास को गति मिलती है तथा विकास के कारण शिक्षा की माँग बढती है ।आज शिक्षा प्रणाली का संबंध केंद्र , राज्यों तथा जनता तीनों से है, अतः यह आवश्यक है की शिक्षा के संबंध में जो भी निर्णय लिया जाए , जिस प्रकार की भी शिक्षा नीति निर्धारित की जाए , उसके क्रियान्व्यन में इन तीनों की सक्रीय भूमिका होनी चाहिए । यदि कोई भी इससे छूट जाता है तो क्रियान्व्यन वैसा नहीं होगा जैसा हम चाहते है। शिक्षा का मूल उद्देश्य जीवन की पूर्णता है, बालक का सर्वागीण विकास है ।हमें चाहिए कि हम किसी वस्तु की नकल करके उसे ज्यों का त्यों न लें अपितु उसके स्वभाव को समझकर उसमें ऐसे संशोदन करे जो हमारे लिए और देश क लिए लाभकारी हो । सच्ची शिक्षा हमें अन्याय और अंधविश्वास से लढने योग्य बनाती है ।

[1] उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक होगा –

क) शिक्षा की नीतियाँ

ख) शिक्षा और विकास

ग) शिक्षित व्यक्ति

घ) आदर्श शिक्षक

[2] शिक्षा प्रणाली का संबंध किन किन से होना है ?

क) केंद्र , राज्यों तथा जनता से

ख) गाँव , शहर और केंद्र से

ग) केंद्र , सरकार और मोहल्ले से

घ)इनमें से कोई नहीं

[3] शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है ?

क) जीवन की अपूर्णता

ख) जीवन की पूर्णता

ग) जनता की निकटता

घ)जनता की एकता

[4] सच्ची शिक्षा हमें किस के लिए योग्य बनाती है ?

क)असत्य की रास्ते पर चलने के लिए

ख)वीरता को अपनाने के लिए

ग) अन्याय और अंधविश्वास से लडने के लिए

घ)संदेह का रास्ता अपनाने के लिए

[5] "क्रियान्वयन" शब्द का संधि विच्छेद होगा –

क) क्रिया+अन्वयन ख)क्रिया+न्वयन ग)क्रि+यान्वयन घ)क्रियान्व+यन

3. निम्न लिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों केलिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। 5

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जगे है ,

जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे है।

शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे है?

कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे है?

है हमीं प्रकंपित कर चुके ,सुरपति तक का भी हृदय ।

फिर एक बार है विश्व ! तुम ,गाओ भारत की विजय ॥

कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा ,

दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा ।

बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा ,

पर शरणागत हुआ कहाँ,कब हमेंन प्यारा ।

बस युद्ध मात्र को छोडकर कहाँ नहीं है हम सदय

फिर एक बार है विश्व ! तुम ,गाओ भारत की विजय ॥

1) इस कविता के लिए उचित शीर्षक होगा–
   क) भारत का जय गान
   ख) इतिहास साक्षी है
   ग) वीर और कायर
   घ) वीरता क लक्षण
2) "हमीं पहले जागे है" से क्या तात्पर्य है?
   क) ज्ञान प्राप्ति हमें पहले हुई
   ख) सबसे पहले सवेरा यहाँ होता है

ग) विज्ञान के आविश्कार यही हुए

घ) सवेरे हम युद्ध जीत कर आए

3) "दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा"। हमारी किस विशेषता को व्यक्त करता है?

क) दयालुता

ख) कठोरता

ग) शरणागत के प्रति प्रेम

घ) वीरता

4) हमारी दयालुता किन पंक्तियों से प्रकट होती है?

क) है हमीं प्रकंपित कर चुके ,सुरपति तक का भी हृदय ।

ख) दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा ।

ग) पर शरणागत हुआ कहाँ,कब हमें न प्यारा ।

घ) कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज हमारा ,

5) विश्व को भारत का जयघोष करने को क्यों कहा गया है?

क) हमारी जीतने की शक्ति के कारण

ख) परंपरा से चले आ रहे गुणों के कारण

ग) हमारे सुरपति तक पहुँचने के कारण

घ)हमारे इतिहास ज्ञान के कारण

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों केलिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए । 5

छोडो मत अपनी आन , सीस कट जाय

मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाए ।

दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,

मरता है जो. एक ही बार मरता है ।

तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे ।

जीना हो तो मरने से नही डरो रे !

स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है ,

बाहरी वस्तु यह नहीं भीतरी गुण है ।

नत हुए बिना जो अशनि–घात सहती है ,

स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।

वीरत्व छोड , पर का मत चरण गहो रे।

जो पडे आन, खुद ही सब आग सहो रे।

[1] कवि ने किसके सामने कभी नहीं झुकने के लिए कहा है ?

क)धन ख) समय ग)अन्याय घ) अन्धविश्वास

[2]मृत्यु देवता कितने बार हमारा जीवन ले जाता है ?

क) कभी नहीं ख) बार – बार ग) कई बार घ) एक बार

[3]स्वतन्त्रता कैसी वस्तु है ?

क) बाहरी ख) भीतरी ग) उपरी घ)उत्तरी

[4]देश की स्वतन्त्रता और उसकी रक्षा के लिए किस भाव को कभी नही छोडना चाहिए ।

क) अकर्म्ण्यता ख) दयालुता ग) वीरता घ) उदारता

[5] स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है –

क) जो नत हुए बिना संकटों का सामना करती है ख)जो संकट के सामने सिर झुकाती है ग)जो संकट से डरती है घ) जो संकट से दूर भागती है ,

खंड – (ख)

5. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए – 5

[क] जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है उसे क्या कहते है ?

[ख] जब छुट्टी की घंटी बजी ,तब सब छात्र भाग गए । (सरल वाक्य में बदलिए)

[ग] राम खाना खाकर विद्यालय चला गया । (संयुक्त वाक्य बनाइए)

[घ] वह पुस्तक कौन–सी है <u>जो तुम्हें बहुत पसंद है</u> ।(उपवाक्य का नाम लिखिए)

[ङ] जो विद्यार्थी समय गँवाते है, वे एक दिन ज़रूर पछताते है । (प्रधान उपवाक्य छाँटिए)

6. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए – 5

[क] मुझसे चला नहीं जाता । (कर्तृ वाच्य में बदलिए)

[ख] जिस वाक्य में कर्म की अपेक्षा होती है उसे कहते है–

[ग] पक्षी आकाश में उडते है । (भाववाच्य में बदलिए)

[घ] मै तो इतने शोर में पढ नहीं सकता । (कर्म वाच्य में बदलिए)

[ङ] इसमें क्रिया का भाव ही मुख्य होता है–(वाच्य का नाम लिखिए)

7. अलंकार पहचानिए – 5

[क] जलता है यह <u>जीवन–पतंग</u> ।

[ख] तरणी तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।

[ग] पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के ।

[घ] यह देखिए अरविंद–से शिशुवृंद कैसे सो रहे ।

[ङ] जहाँ एक शब्द बार बार आए किन्तु उसका अर्थ बदल जाए तो कौन– सा अलंकार है?

8. रेखांकित शब्दों के पद परिचय दीजिए – 5

[क] माला पत्र लिखती है ।

[ख] वह दौडकर अभी आया है ।

[ग] ममता यहाँ दसवीं कक्षा में पढती है ।

[घ] वाह! उपवन में सुन्दर फूल खिले है ।

[ङ] वह कल दिल्ली जाएगा ।

खंड – (ग)

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ्कर पूछे गए प्रश्नों केलिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए । 5

उस जमाने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थी ,बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थी,इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबन्दी नहीं थी ,बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बडी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी जिन्दगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लेट में रहनेवालों को हमारे इस परंपरागत "पडोस –कल्चर"से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित,असहाय और असुरक्षित बना दिया है ।

1) लेखिका के जमाने में घर की दीवारें कहाँ तक फैली रहती थी ?
   क)घर तक ख) पूरे शहर तक ग) पूरे राज्य तक घ) पूरे मोहल्ले तक
2) पडोस –कल्चर आज कहाँ समाप्त हो गया ?
   क) रिश्तेदारों में ख) मित्रों में ग)आस–पडोस में घ) महा नगरों में
3) नई पीढी किस कारण संकुचित ,असहाय और असुरक्षित हो गई
   क) निस्वार्थ भावना के कारण ख) निराशा के कारण
   ग) पडोस –कल्चर" समाप्त होने के कारण घ) आत्मीयता के कारण
4) अपना जीवन खुद जीने की इस भाग –दौड किस कारण से माना गया है?
   क) जीवन को सुखमय बनाने के लिए ख) परंपराओंका पालन करने के लिए

ग) आधुनिक दबाव के कारण घ) जीवन को असुरक्षित करने केलिए

5) लेखिका अपने जमाने की बात बता रही थी ।लेखिका का नाम लिखिए ।

क) मन्नू भंडारी ख) महा देवी वर्मा ग) मृदुला गर्ग घ) कृष्णा सोबती

अथवा

काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है । यह आयोजन पिछले कई बरसों से संकट मोचन मंदिर में होता आया है । यह मंदिर शहर के दक्षिण में लंका पर स्थित है । हनुमान जयन्ती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन वादन की उत्कृष्ट सभा होती है । इस में बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते है । अपने मज़हब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ जी के प्रति भी अपार है । वे जब भी काशी से बाहर रहते है तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते है , थोडी देर ही सही मगर शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है ।

1) संगीत आयोजन गत कई वर्षों से किस मंदिर में आयोजित किया जा रहा है

क) शिव मन्दिर ख) संकट मोचन मंदिर ग) विश्वनाथ मंदिर घ) हनुमान मंदिर

2) काशी के संगीत आयोजन में बिस्मिल्ला खाँ अवश्य रहते है क्योंकि –

क) वे कशी के महान शहनाई वादक है ख) वे काशी में ही रहते है

ग) वे उदारवादी मुसलमान है घ) इनमें से कोई नहीं ।

3) शहनाई का प्याला घुमाने का आशय है –

क) शहनाई को घुमाकर खेलना ख)) शहनाई को घुमाकर ठीक करना

ग) शहनाई विश्वनाथ मंदिर की ओर घुमाना घ) शहनाई श्रोताओं की ओर घुमाना

4) किसकी जयन्ती पर काशी में शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन वादन की सभा होती है ?

क) महवीर जयन्ती पर ख) कृष्ण जयन्ती पर ग) हनुमान जयन्ती पर घ) राम नवमी पर

5) विश्वनाथ मंदिर के प्रति बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा का सबसे बडा प्रमाण है –

क) नित्य विश्वनाथ मंदिर जाना ख) विश्वनाथ मंदिर की ओर मुँह करके शहनाई बजाना

ग) धर्म के प्रति असहिष्णु होना घ) काशी में रहना

10. कुछ पुरातन पंथी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे। द्विवेदी जी ने क्या–क्या तर्क

देकर स्त्री – शिक्षा का समर्थन किया ? 4

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 2*3=6

क) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

ख) लेखिका के व्यक्तित्व पर किन –किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पडा?

ग) "संस्कृति" पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति की परिभाषा दीजिए ।

12. निम्न लिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ्कर पूछे गए प्रश्नों केउत्तर लिखिए ।

नाथ संभुधनु भंजनिहारा । होइहि केउ एक दास तुम्हारा ॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही । सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई ।अरि करनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि शिवधनु तोरा ।सहस बाहु सम सो रिपु मोरा ॥
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा । न त मारे जैहहिं सब राजा ॥
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने । बोले परशु धरहि अवमाने ॥
बहु धनुही तोरी लरिकाई । कबहूँ न असि रिस कीन्हि गोसाई
येहि धनु पर ममता केहि हेतू ।सुनि रिसाइ कह भगुकुलकेतु ॥

1) कवि और कविता का नाम लिखिए । 1
2) परशुराम के क्रोधित होने पर राम ने क्या कहा ? 1
3) परशुराम के वचन सुनकर लक्ष्मण के चेहरे पर क्या भाव आया ? 1
4) परशुराम किसको सेवक मानते थे? 1
5) "सहस बाहु सम सो रिपु मोरा" में कौन – सा अलंकार है? 1

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज सुन्दर कमजोर काँपती हुई थी

वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आनेवाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूज मिलाता आया है प्राचीन काल से

1) मुख्य गायक के स्वर के साथ स्वर मिलानेवाला कौन है? 1
2) "पैदल चलकर" सीखने आनेवाला गायक की किस दशा की ओर संकेत करता है? 1
3) संगतकार का स्वर कैसा है? 1
4) संगतकार मुख्य गायक का कौन हो सकता है? 1
5) " मुख्य गायक की गरज में" – गरज़ शब्द का मतलब क्या है? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 2*5=10

क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन कौन से तर्क दिए?

ख) छाया मत छूना कविता में "छाया" शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने केलिए मना क्यों किया है?

ग) माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी?

घ) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएँ बताई ?

ड) सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लडखडाते है तब उसे सहयोगी किस तरह संभालते है? " संगतकार" कविता के आधार पर लिखिए।

14. आज की पीढी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह क खिलवाड किया जा रहा है ? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए? 4

या

लेखक ने अपने अपको विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

15. निम्न लिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 2*3=6

क) गंतोक को मेहनतकश बाद्शाहोंका शहर क्यों कहा गया है?

ख) कठोर हृदयी समझी जाने वाली दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर क्यों विचलितहो उठी?

ग)भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार दिया?

घ) लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है–क्यों?

खंड - (घ)

16. निम्न लिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेतबिंदुओं के आधार पर 80 से 100 शब्दों पर अनुच्छेद लिखिए । 5

1) मोबाइल फोन
संकेत बिंदु –भूमिका , सुविधाएँ ,हानियाँ ,निष्कर्ष
2)सत्संगति
संकेत बिंदु– भूमिका , संगति का मानव पर प्रभाव,कुसंगति से हानियाँ ,विद्यार्थी जीवन में इसका महत्त्व , निष्कर्ष
3)भारतीय नारी
संकेत बिंदु– भूमिका ,पुराण में नारी का स्थान ,आज की शिक्षित नारी , निष्कर्ष

17. परिवहन विभाग की लापरवाही से सडक दुर्घटनाओं में हो रही वृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य परिवहन मंत्री को एक शिकायती पत्र लिखिए । 5

अथवा

वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपनी छोटी बहन को बधाई पत्र लिखिए।